

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	
1. अमृतवेले स्वयं को परमात्म शक्तियों से चार्ज किया?																																
2. सवेरे से शाम तक चार घंटे योग, मनसा सेवा की?																																
3. निराकारी स्थिति में स्थित रहने की प्रैक्टिस की?																																
4. कर्म करते डबल लाईट स्थिति रही?																																
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया?																																

चलते-फिरते अभ्यास: - मुझ परम पवित्र फरिश्ते से सारे विश्व में पवित्रता के वायब्रेशन फैल रहे हैं....।

## योगियों के परमकर्तव्य

अगस्त 2018 - मनसा सेवा

1. अमृतवेले स्वयं को सर्वशक्तियों से फुलचार्ज करना है।
2. बाबा से कम्बाइंड होकर स्वयं के विकर्मों को भस्म करना है।
3. ब्राह्मण आत्माओं को पवित्रता, तपस्वी वायुमण्डल बनाने की सकाश देनी है।
4. प्रकृति के पांचों तत्वों को पावन बनाने की सकाश देनी है।
5. भक्त आत्माओं को अपने ईष्टदेव का साक्षात्कार कराना व वरदान देना है।
6. उन आत्माओं से क्षमा मांगना जिनको हमने दुःख दिया है।
7. उन आत्माओं को माफ करना जिन्होंने हमें दुःख दिया है।
8. नास्तिक आत्माओं को ईश्वरीय प्रेम से भरपूर करने की सकाश देना।
9. रोगी, अशान्त, दुःखी आत्माओं को शान्ति का सकाश देना,
10. सर्व आत्माओं के विकारों को भस्म करने को ज्वालारूप का सकाश देना।
11. दिल से सबका धन्यवाद करना.....।

1 से 5 अगस्त :- मैं आत्मा मास्टर बीजरूप हूँ।

6 से 10 अगस्त :- मैं फरिश्ता निरन्तर परमात्म छत्रछाया में हूँ।

11 से 15 अगस्त :- मैं आत्मा मास्टर ज्ञानसूर्य हूँ।

16 से 20 अगस्त :- मैं आत्मा लाइट हाउस-माइट हाउस हूँ।

21 से 25 अगस्त :- मैं आत्मा मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ।

26 से 31 अगस्त :- मैं आत्मा मास्टर दुःखहर्ता, सुखकर्ता हूँ।